Total Pages : 5 **Roll No. -------------**

MPAMT-502

तालों का अध्ययन–1

प्रदर्शन कला (संगीत) में स्नातकोत्तर **(MPAM-21)**

1st Semester Examination June 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

Section – A / खण्ड –क

(Long Answer – type questions) / (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Twenty (20) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

[2 x 20 = 40]

P.T.O.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. Explain Deshi Taal System. Present the comparative study of Maargi and Deshi Taal System.
देशी ताल पद्वति को समझाइये। मार्गी व देशी ताल पद्वति का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

Q.2. Describe South Indian Taal System.
दक्षिण भारतीय ताल पद्धति का वर्णन कीजिए।

Q.3. Write in notation 1 Rela, with 2 paltas and tihai in any one taal of your syllabus.
अपने पाठ्यक्रम की किसी एक ताल में 1 रेला, 2 पल्टों का तिहाई सहित लिपिबद्ध कीजिए।

Q.4. Discuss on the different aspects of Present Taal System and Ancient Taal System.
वर्तमान ताल पद्धति एंव प्राचीन ताल पद्धति के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कीजिए।

P.T.O.

Q.5. Give the life sketch of Pandit Nana Sahab Panse. Also discuss his Vadan shaily (Playing style) and his contribution in Hindustani classical music.

पंडित नाना साहव पानसे का जीवन परिचय दीजिए। साथ ही उनकी वादन शैली एंव हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत में आपके योगदान पर चर्चा भी कीजिए।

Section – B / खण्ड – ख

(Short-answer-type questions) / लघु उत्तरों वाले प्रश्न

Note: Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Ten (10) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only. [4 x 10 = 40]

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. Discuss on the changes occurred in the form of Taal in Medieval period.

मध्य युग में ताल के स्वरू‧ में हुए परिवर्तनों पर चर्चा कीजिए।

P.T.O.

Q.2. Discuss on the North Indian Taal System.

उत्तर भारतीय ताल पद्धति पर चर्चा कीजिए।

Q.3. Define Kayda and Peshkar with example.

कायदा एंव पेशकार को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

Q.4. Explain Gat. Write in notation 1 Gat in any one taal of your syllabus.

गत को समझाइए। अपने पाठ्यक्रम की किसी एक ताल में एक गत को लिपिबद्ध कीजिए।

Q.5. Write in notation the Kuaad and Biaad layakari of any two taal of your syllabus.

अपने पाठ्यक्रम की किन्ही दो ताल की कुआड एंव बिआड लयकारी लिपिबद्ध कीजिए।

Q.6. Define any two of the following with example.

Mukhda, Mohra and Rau

निम्न में से किन्ही दो को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए–

मुखडा, मोहरा एंव रौ

Q.7. Give the life sketch of Ustad Karamatullah Khan and also mention his Vadan shaily (Playing style).

उस्ताद करामतउल्ला खां का जीवन परिचय दीजिए एंव उनकी वादन शैली का उल्लेख भी कीजिए।

Q.8. How North Indian Taals are written in South Indian Taal System? Explain. Write the notation any two taal of your syllabus in South Indian Taal system.

उत्तर भारतीय तालों को दक्षिण भारतीय ताल पद्धति में किस प्रकार लिखा जाता है? वर्णन कीजिए। अपने पाठ्यक्रम की किन्ही दो तालों को दक्षिण भारतीय ताल पद्धति में लिखिए।